

Government to remove the said hardship of the suffering employees?

**The Deputy Minister in the Ministry of Railways (Shri Shahnawaz Khan):** (a) No.

(b) Question does not arise.

#### Breeding of Lions

**1123. Shri P. C. Deo Bhanj:** Will the Minister of Food and Agriculture be pleased to state:

(a) whether Government are taking any steps to breed lions in the forests of different States (other than the Gir forest in Gujarat); and

(b) if so, the details thereof?

**The Minister of State in the Ministry of Food and Agriculture (Dr. Ram Subhag Singh):** (a) One Lion and two lioness from the Gir forest of Gujarat were introduced in December 1957 in the Chandraprabha Sanctuary, Uttar Pradesh, primarily to establish a Second home for these lions. They have not been introduced in any other State so far.

(b) According to a report received from the Government of the U.P. in October 1962 the lions introduced in the Chandraprabha Sanctuary are thriving and their present number including cubs is reported to be six.

#### Preservation of Peacocks

**1124. Shri P. C. Deo Bhanj:** Will the Minister of Food and Agriculture be pleased to state the steps taken by Government for the preservation of the peacock after it was declared the National Bird?

**The Minister of State in the Ministry of Food and Agriculture (Dr. Ram Subhag Singh):** No special steps have been taken for the preservation of the peacock after it was declared as the 'National Bird of India' 31-1-63. On a recommendation by the Indian Board for Wild Life in October 1958, most of the States where this bird is

found have already declared it as completely protected against shooting and killing.

हरी और गोबर की खाद

११२५. { श्री सिद्धेश्वर प्रसाद :  
श्री रामशेखर प्रसाद सिंह :

क्या खाद तथा कृषि मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि कृषि का उत्पादन बढ़ाने के लिए केवल रासायनिक खादों के प्रयोग पर ही जोर दिया जाता है और हरी खाद तथा गोबर की खाद (कम्पोस्ट) पर नहीं; और

(ख) यदि हां, तो इस के क्या कारण हैं; और

(ग) हरी खाद और गोबर की खाद का प्रचार करने के लिए क्या कदम उठाये गये हैं ?

खाद तथा कृषि मंत्रालय में राज्य मंत्री (डा० राम सुभग सिंह) : (क) ऐसा कहना ठीक नहीं है कि केवल रासायनिक खादों के प्रयोग पर ही जोर दिया जाता है। सरकार यह जानती है कि हमने अधिकतम लाभ उठाने के लिये रासायनिक तथा कार्बनिक खादों का साथ साथ ही प्रयोग होना चाहिये और यह विशेष रूप से इमलिये भी आवश्यक है कि अग्रणीय जलवायु के कारण भारतीय मिट्टी में कार्बनिक तत्वों की कमी है। अतः सरकार कार्बनिक खादों को नष्ट होने से बचाने के लिये तथा उसके पूर्ण उपयोग के लिये सभी सम्भव प्रयत्न करती रही है। इसलिये (१) ग्रामीण कम्पोस्ट (गोबर की खाद) उत्पादन करने—जिस में ग्रामीण क्षेत्रों में मल खाद तैयार करना भी शामिल है (२) शहरी कम्पोस्ट उत्पादन और (३) हरी खाद के तौर-तरीकों में तेजी लाने की विभिन्न योजनाओं को राष्ट्रीय परियोजना में शामिल कर लिया गया है और सभी राज्यों/संघ क्षेत्रों में उनको क्रियान्वित किया जा रहा है।